आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि कहीं से भी बिजली संयंत्र को ग्रिड से जोड़कर बिजली को उपयुक्त जगह पर पहुंचाया जा सकता था।

महोदय, जिन प्रदेशों में कोयला खदानें हैं, वहां भूमि भी सस्ती है तथा जंगलों की भी बहुतायत है। इसके अतिरिक्त उन प्रदेशों में वर्षा भी भरपूर होती है। लेकिन इसके बाद भी हरियाणा जैसे कोयला खदानों से सुदूर प्रदेशों में जो एनटीपीसी व सीएलपीसी झाड़ली (झज्जर) व खेदड़ (हिसार) में अदूरदर्शी फैसले लेकर प्लांट लगाए गए। यही प्लांट कोयला खदान वाले क्षेत्रों में आधी कीमत पर लगाए जा सकते थे। तथा कोयले की ढुलाई पर जो खर्च आने से बिजली की लागत बढ़ती है वह भी ग्रिड के माध्यम से चौथाई लागत से भी कम में बिजली लाई जा सकती थी। कोयले से भरी मालगाड़ियां हजारों कि.मी. कोयले की धूल छोड़ती जाती हैं तथा डीजल इंजनों से जो प्रदूषण होता है, उसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि भविष्य में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की गैर कोयला उत्पादन राज्यों में मंजूरी न दी जाए तथा जहाँ पहले से ऐसे संयंत्र लगे हैं, उनकी विस्थापन की योजना भी बनायी जाए।

Demand to start Instrument Landing System at MBB Airport, Agartala

श्री बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा): महोदय, मैं आपके माध्यम से केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय को त्रिपुरा से संबंधित एक महत्वपूर्ण विषय से अवगत कराना चाहता हूं।

एम.बी.बी. (MBB) हवाई अड्डा, अगरतला एक आई.एफ.आर (Instrument flight rules) हवाई अड्डा है, जहां विमान के पहुंचने, उतरने और उड़ान भरने को नेविगेशनल (navigational), दृश्य सहायता और उपकरण लैंडिंग सहायता के माध्यम से निर्देशित (guide) किया जाता है। Instrument Landing System (ILS) का उपयोग accurate landing सहायता के रूप में किया जाता है, जो सामान्य और सही मौसम की स्थिति में रनवे (runway) पर उतरने के लिए विमान का मार्गदर्शन करता है।

एम.बी.बी. हवाई अड्डा अगरतला में पुराने ILS की नई प्रणाली से बदल दिया गया है। नया आई.एल.एस इंस्टालेशन (ILS installation) का काम पूरा हो चुका है। Airports Authority of India के विमान द्वारा ग्राउंड कैलिब्रेशन और एयर कैलिब्रेशन 27 नवंबर, 2023 को पूरा हो चुका है। अगले फेज में कैलिब्रेशन रिपोर्ट के आधार पर उपकरण प्रक्रियाएं (processes) विकसित की जाएंगी और इसे अनुमति के लिए DGCA को भेजा जाएगा। DGCA की मंजूरी के बाद इस सिस्टम को चालू कर दिया जाएगा। महोदय, आजकल कोहरा (fog) के कारण बहुत सी फ्लाइट्स एम.बी.बी. एयरपोर्ट पर उतर नहीं सकतीं और उन्हें दूसरे स्थान पर divert करना पड़ता है। इससे passengers को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है और उन्हें आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। अतः केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध है कि इस दिशा में DGCA की मंजूरी शीघ्रता से प्रदान की जाए, जिससे ILS को MBB Airport, अगरतला में शुरू किया जा सके।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Hon. Member, Dr. John Brittas (Kerala) associated himself with the Special Mention made by Shri Biplab Kumar Deb.

Shri Niranjan Bishi, not present. Shri Rakesh Sinha, not present. Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara on 'Demand to Construct Hostels for Tribal Students'.

Demand to construct hostels for tribal students

श्रीमती रमिलाबेन बेचारभाई बारा (गुजरात): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। प्रधान मंत्री, नरेन्द्रभाई मोदी जी ने हमारे गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए, राज्यव्यापी कन्या केलवणी रथ चलाकर बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया, बालिकाओं की शिक्षा पर जोर दिया, जिसके परिणामस्वरूप आज आदिवासी, दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग की लड़कियाँ शत प्रतिशत शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। सरकार ने ग्रामीण स्तर पर कॉलेज, आईटीआई आदि संस्थान स्थापित किए। इससे सभी बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं, लेकिन तालुका स्तर के दूर-दराज के गाँवों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अप-डाउन कर रहे हैं, जिसमें उन्हें काफी रुकावटें महसूस होती हैं। इसके कारण कई बच्चे अपनी पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। दूर-दराज के गाँवों से शिक्षा के लिए आने वाले ऐसे बच्चों की इस समस्या के समाधान के लिए मेरा अनुरोध है कि प्रत्येक आदिवासी तालुका स्तर पर इन लड़के-लड़कियों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था के साथ एक सरकारी समरस छात्रावास शुरू किया जाना चाहिए। यह छात्रावास तालुका जिला स्तर पर होने से हमारे आदिवासी बच्चों को बहुत अधिक फायदा प्राप्त होगा। महोदय, इस आवागमन व्यवस्था से विद्यार्थियों को समय के साथ-साथ आर्थिक परेशानी का सामना भी करना पड़ता है। माता-पिता गरीब होने से कुछ बेटे-बेटियों को बीच में अध्ययन यात्रा बंद करनी पड़ती है। मेरा अनुरोध है कि इस समस्या के निराकरण हेतु छात्रावास का निर्माण शीघ्र करवाना अति उचित होगा।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Hon. Member, Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland) associated herself with the Special Mention made by Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara.

Shri Satish Chandra Dubey. Not present. The House stands adjourned to meet at 11.00 a.m. on Monday, the 11th December, 2023.

The House then adjourned at forty-two minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 11th December, 2023